Total No. of Questions : 10] [Total No. of Printed Pages : 4

Paper Code : 12842

L–952 (A)

LL.B. (Five Years) (IXth semester) Examination, 2019–20

INTERPRETATION OF STATUTES AND PRINCIPLE OF LEGISLATION

Paper–II (A)

Time : 3 Hours] [Maximum Marks : 90

Note :– Attempt *five* questions. Question No. 1 is compulsory.

All questions carry equal marks.

कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न क्रमांक 1 अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Rules of Interpretation are not rules of law, they serve as guide. Discuss with illustrations.

निर्वचन के नियम विधि के नियम नहीं हैं, वे मार्गदर्शक का कार्य करते हैं। दृष्टांत के साथ विवेचना कीजिए।

Scanned with CamScanner

2. Ordinarily penal statutes are construed strictly, but where the thing is brought within the words and the spirit, the penal enactment is to be construed like any other instrument. Discuss.

सामान्यत: दण्डात्मक संविधि का अर्धान्यवन कठोरता से किया जाता है, किन्तु जब विषय शब्द एवं भावना के अन्तर्गत आते हैं तो दाण्डिक विधान निर्वचन किसी अन्य दस्तावेज की तरह किया जाता है। विवेचना कीजिए।

3. Explain presumptions relating to operation of statutes. Refer to decided case.

संविधियों के प्रवर्तन सम्बन्धी उपधारणाओं की व्याख्या कीजिए। निर्णीतवाद भी संदर्भित कीजिए।

4. Why mischief rule is called as purposive rule ? State with illustrations the situations where it is applied.

रिष्टि नियम को उद्देश्यात्मक नियम क्यों कहा जाता है ? दृष्टांत सहित उन अवस्थाओं को बताइए जहाँ इसे लागू किया जाता है।

Scanned with CamScanner

5. Discuss the following :

निम्नलिखित की विवेचना कीजिए :

(a) Parliamentary History

संसदीय इतिहास

(b) Stare Dicisis

निर्णीतानुसरण

6. Distinguish between internal and external aids. Explain imortance of Preamble.

आन्तरिक एवं बाह्य सहायकों में अन्तर कीजिए। उद्देशिका के महत्त्व की व्याख्या कीजिए।

7. Discuss the following :

निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए :

(a) Harmonious construction

सौहार्द्रपूर्ण निर्माण

(b) Doctrine of colourable legislation

छद्म विधान का सिद्धान्त

8. State the circumstances when parliamentary history is useful aid to interpretations. Refer to case law.

उन परिस्थितियों को बतलाइए जब संसदीय इतिहास निर्वचन हेतु उपयुक्त उपकरण है। निर्णीत वादों को सन्दर्भित कीजिए।

Scanned with CamScanner

9. Explain the importance of 'Presumptions' in the interpretation of statutes, and discuss the rule of interpretation of presumptions against violation of international law.

संविधियों के निर्वचन में उपधारणाओं के महत्त्व को समझाइए और अन्तर्राष्ट्रीय विधि के उल्लंघन के विरुद्ध उपधारणाओं के निर्वचन के नियम की विवेचना कीजिए।

10. Write short notes on any *two* of the following :

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(a) Dictionary

शब्दकोष

(b) Construction

अर्थान्यवन

(c) Title

शीर्षक

(d) Utres magis valeat quam pareat

अमान्य से मान्य करना अच्छा है

Scanned with CamScanner